साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 216 | जौनपुर, शुक्रवार, 03 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भाजपा ने दिनेश सिंह को रायबरेली सीट पर दिया टिकट

रायबरेली, संवाददाता। भाजपा ने गांधी परिवार का गढ़ मानी जाने वाली रायबरेली सीट पर उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। इस सीट पर पार्टी ने दिनेश सिंह को प्रत्याशी बनाया है। दिनेश सिंह शुक्रवार को भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन दाखिल करेंगे। बीते कुछ समय से कयास लगाए जा रहे थे कि भाजपा इस सीट पर वरुण गांधी को उतारकर कांग्रेस उम्मीदवार के सामने चुनौती खड़ी कर सकती है पर अब सब स्पष्ट हो गया है। इसी सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी प्रियंका गांधी को मैदान में उतार सकती है। हालांकि, इसकी संभावना कम ही नजर आ रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना था कि भाजपा कांग्रेस उम्मीदवार को देखकर ही अपना प्रत्याशी घोषित करेगी पर भाजपा ने पहले ही प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी है। रायबरेली में पांचवें चरण में मतदान होना है। कल नामांकन का अंतिम दिन है। ऐसे में कहा जा रहा है कि देर शाम तक कांग्रेस प्रत्याशी की भी घोषणा हो सकती है। रायबरेली से दलित उम्मीदवार होने के भविष्य के फायदे भी बताए गए हैं। इस संबंध में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि जल्द ही सस्पेंस खत्म हो जाएगा। अभी दोनों सीट पर उम्मीदवार के नाम की अधिकृत सूचना नहीं मिली है।

कैसरगंज सीट से बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण को टिकट दिया

गोंडा, संवाददाता। यूपी की चर्चित लोकसभा सीट कैसरगंज पर भाजपा के उम्मीदवार को लेकर बना सस्पेंस खत्म हो गया है। इस सीट से मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह चुनाव नहीं लड़ेंगे। भाजपा ने उनके छोटे बेटे करण भूषण को टिकट दिया है। ऐसे में करण भूषण सिंह पहली बार लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर किस्मत अजमाएंगे। करण भूषण सिंह उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। इससे पहले वह भारतीय कुश्ती महासंघ के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला पहलवानों के यौन शोषण जैसे गंभीर आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के मामले की दिल्ली के एक कोर्ट में सुनवाई चल रही है। ऐसे में पिछले कई दिनों से कैसरगंज सीट पर भाजपा की ओर से प्रत्याशी की घोषणा नहीं हो सकी थी। भाजपा की सूची जारी होने से पूर्व संकेत मिलते ही करण भूषण सिंह के नाम पर उनके प्रतिनिधि जनार्दन तिवारी ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर चार सेट नामांकन पत्र खरीदा। कैसरगंज सांसद के बड़े बेटे और गोंडा सदर से भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने ह्वाट्सएस ग्रुप पर जानकारी साझा की थी।

मनीष सिसौदिया ने जमानत के लिए किया हाईकोर्ट का रुख, 3 मई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में जमानत के लिए गुरुवार को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ के समक्ष उल्लेखित किया गया था। दलेही उच्च न्यायालय शुक्रवार को सूचीबद्ध करने पर सहमत हुआ। पीठ ने कहा कि न्यायाधीश को फाइल देखने दीजिए, इसे कल आने दीजिए। सिसौदिया का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील रजत भारद्वाज और मोहम्मद इरशाद ने कहा कि याचिकाकर्ता एक विधायक है और अदालत से जमानत की मांग करने वाली दोनों याचिकाओं को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। इससे पहले 30 अप्रैल को दिल्ली की एक अदालत ने इसी मामले में सिसौदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी. सीबीआई और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि जमानत देने का यह सही समय नहीं है। सीबीआई के साथ–साथ ईडी ने भी आरोप लगाया था कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति को संशोधित करते समय अनियमित ताएं की गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया।

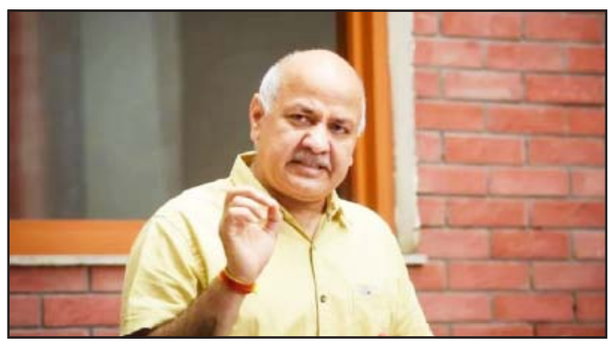

सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे मोदी के 10 साल - जेपी नड्डा

बिहार, एजेंसी। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि नरेंद्र मोदी के 10 साल... सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे। उन्होंने कहा कि एक तरफ सेवा है, सुशासन है, गरीब कल्याण है, तो दूसरी तरफ राजद–कांग्रेस के शासन की लूट, कुशासन और उनके परिवार का कल्याण था। दोनों में तय आपको करना है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत, दुनिया का तीसरे नंबर का ऑटोमोबाइल मार्केट बन गया है। भारत की दवाई आज दुनिया में दूसरे नंबर पर एक्सपोर्ट हो रही है। हम दुनिया की डिस्पेंसरी बन गए हैं। दुनिया हमसे दवाई खरीद रही है, सबसे सस्ती और असरदार दवाई आज भारत में बन रही है। आप जो मोबाइल इस्तेमाल कर रहे हैं, उस पर 10 साल पहले लिखा होता था– चीन में निर्मित, कोरिया में निर्मित, जापान में निर्मित. .. आज आपके मोबाइल पर लिखा है– मेड इन इंडिया। आज भारत में इस्तेमाल होने वाले 97: मोबाइल भारत बना रहा है। ये बदलता हुआ भारत है। उन्होंने कहा कि कोरोना की महामारी आई, दुनिया भी नहीं जानती थी, कैसे लड़ा जाए। कोरोना की लड़ाई में अमेरिका फेल हो गया, रूस फेल हो गया, जापान रास्ता तय नहीं कर पाया...लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में सही समय पर सही फैसला लिया गया और देश के 140 करोड़ लोगों की जान बचाई गई। नड्डा ने कहा कि इस देश में टिटनेस की दवा आने में 25 साल लग गए, डिप्थीरिया की दवा आने में 30 साल लग गए, ट्यूबरक्लोसिस की दवा को आने में 27 साल लग गए, जापानी बुखार की दवा आने में 100 साल लग गए। लेकिन कोरोना का टीका देश को 9 महीने में मिल गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी और राजद वाले बोलते थे कि ये मोदी घ्टीका है, मत लगाओ, लेकिन चुपके से खुद लगवा लिया।

ये ऐसे लोग है, जिन्होंने चुपके से खुद टीका लगवाया, लेकिन जनता को गुमराह करते रहे कि टीका मत लगावाओ। जेपी नड्डा ने कहा कि बिहार में ही मेरा बचपन गुजरा है और मैंने वो दौर भी देखा है, जब बिहार के लोग सत्तू खाकर गुजारा करते थे। लेकिन आज देश की 80 करोड़ जनता को और बिहार की 8 करोड़ 70 लाख जनता को मुफ्त राशन मिल रहा है। जिस कारण से देश के करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि मैं 1975 में 14–15 साल का था, जब जयप्रकाश नारायण के कहने पर आंदोलन में कूद गया था। मैंने उस समय के लालू प्रसाद को देखा है, जिसने परिवारवाद, भाई–भतीजावाद, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी।

बिहार में नहीं होगी लालटेन युग की वापसी - राजनाथ सिंह

बिहार, एजेसी। कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि पार्टी धर्म आधारित आरक्षण के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रही है, क्योंकि संविधान में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने बिहार के सारण और सुपौल निर्वाचन क्षेत्रों में दो सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया। सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा, मैं धर्म आधारित आरक्षण का वादा करने वाली पार्टियों से पूछना चाहता हूं कि आप लोगों को बेवकूफ क्यों बना रहे हैं? मैं कांग्रेस और राजद पार्टी से कहना चाहता हूं कि अगर आपमें हिम्मत है तो जनता की आंखों में धूल झोंककर राजनीति न करें, जनता की आंखों में देखकर राजनीति करें। राष्ट्रीय जनता दल पर हमला करते हुए उन्होंने लोगों, खासकर युवा मतदाताओं से यह वादा करने को कहा कि वे बिहार में लालटेन युग की वापसी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, जिन लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, वे जनता के पास जा रहे हैं और वोट मांग रहे हैं। कभी वे चारवाहा युग लाते हैं, कभी लालटेन युग लाते हैं। केवल बिहार के लोग ही एनडीए उम्मीदवारों को वोट देकर बदलाव ला सकते हैं। सारण संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे राजीव प्रताप रूडी के लिए प्रचार करते हुए सिंह ने कहा कि रूडी एक प्रशिक्षित पायलट हैं और वह सबको उड़ा देंगे। सिंह ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार मामलों में आरोपित होने के बावजूद ये दोनों दल लोगों के बीच जाकर वोट मांग रहे हैं, इनमें थोड़ी तो लोक–लाज होनी चाहिए। उन्होंने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान का हवाला देते हुए श्विरासत करश के मुद्दे पर भी कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला। विदेश में मौजूद एक नेता ने कहा कि जब भारतीय गठबंधन की सरकार बनेगी तो वे एक ऐसा कर लागू करने का सुझाव देंगे, जिसमें किसी व्यक्ति द्वारा अर्जित संपत्ति का 55 प्रतिशत उसकी मृत्यु के बाद सरकार को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ऐसे नियमों को लागू करके क्या इंडिया गठबंधन देश को बर्बाद करना चाहता है।

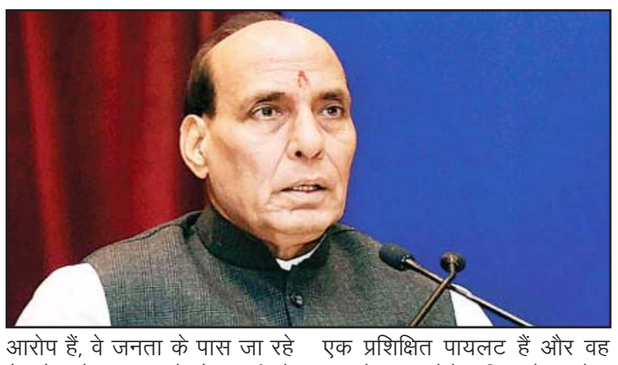

यह का चुनाव एंबिशन के लिए नहीं, मोदी के लिए मिशन है

नई दिल्ली, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ये चुनाव सामान्य चुनाव नहीं है। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से ये चुनाव एंबिशन के लिए नहीं है। वो एंबिशन तो 2014 में देश की जनता ने पूरा कर दिया। 2024 का ये चुनाव मोदी के एंबिशन के लिए नहीं, मोदी के लिए श्मिशनश है और मेरा मिशन है देश के उज्जवल भविष्य का, मेरा मिशन है देश को आगे ले जाने का लेकिन कांग्रेस का एजेंडा क्या है? कांग्रेस कह रही है कि कश्मीर में जो मैंने आर्टिकल 370 खत्म कर दिया, वो कहते हैं कि 370 हम फिर से लागू करेंगे। इस देश में जो लोग आज संविधान माथे पर रख कर नाच रहे हैं न, उनकी सर्वसत्ता थी, पार्लियामेंट में उनका राज था, कश्मीर में भी उनकी सरकार थी, लेकिन वे कभी भी देश का संविधान सभी जगहों पर लागू नहीं कर पाए। मोदी के आने तक देश में दो संविधान थे। एक संविधान से देश चलता था और दूसरे संविधान से जम्मू–कश्मीर चलता था। गुजरात के जूनागढ़ में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात के तटीय क्षेत्र में कई ऐसे द्वीप हैं, जहां कोई नहीं रहता। कांग्रेस ऐसे द्वीपों का भी सौदा कर सकती है। कांग्रेस की चलती तो हिमालय की बर्फीली चोटियों का भी सौदा कर सकती थी, क्योंकि वहां कोई रहता नहीं है। गुजरात को लेकर कांग्रेस के दिल में जो खीझ और नफरत है।

भारत जोड़ो यात्रा का समापन चार जून को कांग्रेस ढूंढो यात्रा से होगा – अमित शाह

बरेली, संवाददाता। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी के शहजादे राहुल गांधी ने चुनाव अभियान की शुरुआत भारत जोड़ो यात्रा से की थी मगर इसका समापन अगली चार जून को कांग्रेस ढूंढो यात्रा से होगा। शाह ने बरेली से भाजपा उम्मीदवार छत्रपाल गंगवार के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा, हमारे सामने यह घमंडिया गठबंधन 'इंडी' चुनाव लड़ रहा है। इनके शहजादे राहुल बाबा ने चुनाव की शुरुआत 'भारत जोड़ो' यात्रा से की थी। परंतु, मैं आज बरेली में कहकर जा रहा हूं कि शुरुआत 'भारत जोड़ो' यात्रा से की गई थी मगर चार जून के बाद 'कांग्रेस ढूंढो' यात्रा से इसका समापन होने वाला है। उन्होंने दावा किया, दो चरण के चुनाव में कांग्रेस दूरबीन से भी नजर में नहीं आ रही है और नरेन्द्र मोदी सेंचुरी मारकर 400 की दौड़ में बहुत आगे निकल गए हैं। शाह ने कहा, यह चुनाव नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। यह चुनाव हमारे देश के अर्थ तंत्र को संसार का तीसरे नंबर का अर्थ तंत्र बनाने का चुनाव है। यह चुनाव तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का चुनाव है। यह चुनाव आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त करने का चुनाव है। गृह मंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए इस मुद्दे पर भी कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया, 70 साल से कांग्रेस राम मंदिर के मसले को अटका रही थी, भटका रही थी, लटका रही थी। आपने नरेन्द्र मोदी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, तब मोदी ने पांच ही साल में केस भी जीता, भूमि पूजन भी किया और 22 जनवरी को प्राण कृ प्रतिष्ठा करके जय श्री राम कर दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव, उनकी पत्नी डिंपल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मंदिर निर्माण ट्रस्ट की ओर से निमंत्रण भेजे जाने के बावजूद प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं गये क्योंकि उन्हें अपने 'वोट बैंक' वालों का डर था कि अगर वहां जाएंगे तो वोट नहीं मिलेगा। शाह ने कहा, आपको मालूम है न कि कौन सा वोट बैंक है उनका? उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर आरोप लगाया, अखिलेश जी खुद मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और सोनिया जी बेटे (राहुल गांधी) को प्रधानमंत्री बनना चाहती हैं। जो अपने बेटे, बेटी, पत्नी, भाई, भतीजे को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाने के लिए राजनीति में हो, वह बरेली के युवाओं का भला कैसे कर सकता है? उनका भला केवल और केवल गरीब घर से आए हुए नरेन्द्र मोदी कर सकते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सपा के शासन में पूरे उत्तर प्रदेश में देसी कट्टे बनाने के कारखाने थे। आज कट्टों की जगह उत्तर प्रदेश में तोप और मिसाइल बनाने का कारखाना लगा है जो पाकिस्तान पर गोले बरसाने का काम करेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया, उत्तर प्रदेश में जहां वाहन चोरी का कुटीर उद्योग चलता था, वहीं अब, उसकी जगह भाजपा के शासन में वाहन बनाने की फैक्टरियां लग रही हैं। यहां के बेरोजगार युवा चेन झपटमारी कर रहे थे, उसकी जगह आज चिकित्सा उपकरण बनने का काम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहा है। काशी विश्वनाथ का गलियारा औरंगजेब तोड़कर गया था, तबसे यह जस का तस पड़ा हुआ था। मोदी ने बाबा काशी विश्वनाथ के गलियारे को बना कर बाबा को फिर से सम्मान देने का काम किया है। शाह ने कहा, आज मैं अखिलेश बाबू से पूछना चाहता हूं कि 10 साल तक सोनिया मनमोहन की सरकार थी। आपने उत्तर प्रदेश को क्या दिया? सोनिया मनमोहन की सरकार ने 10 साल में उत्तर प्रदेश को चार लाख करोड़ रुपये दिये। नरेन्द्र मोदी ने 10 साल में उत्तर प्रदेश को 18 लाख करोड़ रूपये दिये। गृह मंत्री ने बदायूं में भी एक रैली को सम्बोधित किया। उन्होंने सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा, महाकाल का दरबार हो, केदारनाथ धाम हो या बद्रीनाथ धाम हो ,मोदी ने आस्था के स्थलों को और ऊर्जावान बनाया है। क्या सपा, बसपा और कांग्रेस ऐसा करेगी?..यह केवल भाजपा ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि जब वह अनुच्छेद 370 को खत्म करने के लिए विधेयक लाने के लिए खड़े हुए तो दो लड़के अखिलेश और राहुल इसके विरोध में खड़े हो गये और कहा कि इससे वहां खून–खराबा होगा। शाह ने कहा, अब वहां किसी में पत्थर फेंकने की हिम्मत नहीं है। लाल चौक पर, जहां कोई नहीं जा सकता था..अब कृष्ण जन्माष्टमी का जुलूस निकाला गया। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में वोट बैंक खिसकने के डर से आतंकवाद का मुकाबला करने का साहस नहीं था।

संविधान और हमारी-आपकी जान के पीछे पड़े हैं भाजपा के लोग - अखिलेश यादव

बदायूं, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया है कि भाजपा के लोग संविधान और 'हमारी–आपकी जान के पीछे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि कोविड रोधी टीका लगवाने वाले लोग भी इस बार भाजपा के खिलाफ मतदान करने के लिये निकलेंगे। यादव ने बदायूं से सपा उम्मीदवार आदित्य यादव के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा में कोविड रोधी टीके कोविशील्ड को लेकर उठे विवाद की तरफ इशारा करते हुए कहा, जो लोग चुनाव को देख रहे होंगे वे जानते होंगे कि भाजपा के लोग संविधान और हमारी–आपकी जान के पीछे पड़े हुए हैं। एक तो यह संविधान को बदलना चाहते हैं और दूसरा, कोविड वाली बात आपके सामने आ ही गई होगी। उन्होंने जो लंबी सूची आई है उसमें पता लगा है कि जिन कंपनियों ने वैक्सीन दी थी उनसे भी इन लोगों (भाजपा) ने चंदा वसूल लिया। उनकी सरकार से न केवल संविधान को खतरा है बल्कि उनके फैसलों से जान को भी खतरा है। यादव ने कहा, सोचिए, जिन्होंने वैक्सीन लगवा ली होगी वे जब उसका प्रमाणपत्र देखते होंगे तो उन पर क्या गुजरती होगी। भाजपा के खिलाफ मतदान करने के लिए निकल पड़ेंगे क्योंकि भाजपा तो आपदा में अवसर ढूंढ रही थी। ब्रिटिश मीडिया द्वारा उद्धत किए गए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया है कि यूरोप में वैक्सजेवरिया और भारत में कोविशील्ड नाम से दी गयी उसकी कोविड–19 वैक्सीन बहुत दुर्लभ मामलों में रक्त के थक्के से संबंधित दुष्प्रभाव पैदा कर सकती है। हालांकि इसका कारण अज्ञात है।

मोदी सरकार ``अंधाधुंध'' निजीकरण लागू करके आरक्षण `छीन' रही है – राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केन्द्र की मोदी सरकार पर ''अंधाधुंध'' तरीके से निजीकरण लागू करके दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों से ''गुपचुप तरीके से'' आरक्षण छीनने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को मजबूत करने और रोजगार के दरवाजे खोलने की गारंटी देती है। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आरक्षण समाप्त करने का नरेन्द्र मोदी के अभियान का मंत्र है–'न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी' मतलब न तो सरकारी नौकरियां रहेंगी और न ही आरक्षण देना पड़ेगा। उन्होंने कहा,'' भाजपा सरकार निजीकरण से सरकारी नौकरियों को खत्म कर चुपके–चुपके दलितों, आदिवासियों और पिछड़ा वर्ग से आरक्षण छीन रही है।'' उन्होंने कहा कि 2013 में सार्वजनिक क्षेत्रों में 14 लाख स्थायी पद थे जो 2023 तक आते आते सिर्फ 8.4 लाख ही बचे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, '' बीएसएनएल, सेल, भेल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के शीर्ष उपक्रमों को बरबाद करके सार्वजनिक क्षेत्र से कम से कम छह लाख स्थाई नौकरियां छीन ली गईं। ये ही वे पद हैं जिनमें आरक्षण का लाभ दिया जा सकता था।''उन्होंने दावा किया कि रेलवे जैसे संस्थानों में सरकारी काम ठेके पर देकर पिछले दरवाजे से जो नौकरियां खत्म की जा रही हैं उनकी कोई गिनती नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी मॉडल का 'निजीकरण' देश के संसाधनों की लूट है, जिसके जरिए वंचितों का आरक्षण छीना जा रहा है।'' गांधी ने कहा कि कांग्रेस की यह गारंटी है कि वह सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को मजबूत करेगी और 30 लाख रिक्त सरकारी पदों को भरकर समाज के हर वर्ग के लिए रोजगार के द्वार खोलेगी।

संपादकीय

दो देशों के चुनाव

एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका में चार राष्ट्रपति चुनावों को देखा है और मतदान किया है, साथ ही साथ भारतीय संसदीय चुनावों पर प्रचुर मात्रा में रिपोर्टिंग की है, मैं भारत में चल रही चुनावी प्रक्रिया और अमेरिका में आसन्न चुनावी प्रक्रिया के बीच तुलना करने से खुद को नहीं रोक सकता। दोनों राष्ट्र आर्थिक आकार, राजनीतिक और सामाजिक विकास, वैश्विक प्रभुत्व, जातीय संरचना और यहां तक कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में भिन्न हैं, लेकिन भारत और अमेरिका क्रमशः ग्लोबल साउथ और ग्लोबल नॉर्थ में सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। अमेरिका में, चुनाव अपेक्षाकृत भारत की तरह रंगीन चुनावी प्रचार–प्रसार से रहित होते हैं, हालाँकि बड़ी सार्वजनिक रैलियाँ आम हैं। लेकिन शहरी भारत के कई हिस्सों में, रंगीन अभियान गायब हो गए हैंय उनकी जगह सार्वजनिक रैलियों और सोशल मीडिया मैसेजिंग ने ले ली है। अमेरिका में, प्रत्येक राज्य में एक चुनाव आयोग होता है, जिसके अपने शासकीय कानून होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर हारने वाले पक्ष द्वारा बेईमानी के आरोप लगते हैं। 2000 का कुख्यात अमेरिकी चुनाव, जिसका फैसला वास्तव में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने किया था क्योंकि उसने फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट के पुनर्मतगणना के फैसले को खारिज कर दिया था, एक उदाहरण है। भारत में जब से टी.एन. चुनाव आयुक्त के रूप में शेषन के कार्यकाल के दौरान, चुनाव आयोग चुनाव प्रक्रिया की अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रचारित करने में सक्रिय रहा है। वास्तव में, अगस्त 2004 में, एक समूह के सदस्य के रूप में, मुझे याद है कि साल्ट लेक सिटी में यूटा चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मुझसे भारत में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के बारे में पूछा था और क्या किसी को उनके बारे में चिंता है। तब तक, राजनीतिक दलों के बीच ईवीएम को लेकर कोई बड़ी चिंता नहीं थी क्योंकि चुनाव आयोग आशंकाओं को दूर करने में अति उत्साही था। 2024 में, विपक्ष को ईवीएम के उपयोग और मतदाता सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल्स पर चर्चा के लिए आयोग के साथ एक बैठक भी नहीं मिली। अमेरिका में, स्विंग राज्य चुनावी नतीजे तय करते हैं क्योंकि लाल और नीले राज्यों के नतीजे पहले से तय निष्कर्ष होते हैं। उदाहरण के लिए, न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया नीले राज्य हैं जबकि टेक्सास और दक्षिण कैरोलिना लाल राज्य हैं। 2024 में अपेक्षित स्विंग राज्य एरिजोना, फ्लोरिडा, जॉर्जिया, मिशिगन, मिनेसोटा, नेवादा, उत्तरी कैरोलिना, ओहियो, पेंसिल्वेनिया और विस्कॉन्सिन हैं। राजनीतिक दल कमोबेश अपने अभियानों को स्विंग राज्यों में केंद्रित करते हैं। भारत में गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य भारतीय जनता पार्टी के गढ़ माने जाते हैं जबकि तमिलनाडु और केरल मजबूती से विपक्ष के साथ हैं। यह गुजरात में विपक्ष के लचर अभियान की व्याख्या करता है। हालाँकि, भले ही विपक्ष को समान अवसर देने से साफ इनकार कर दिया गया है, लेकिन राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य हैं जहां वह अच्छी लड़ाई लड़ रहा है। अमेरिका का राजनीतिक इतिहास अफ्रीकी–अमेरिकियों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ संस्थागत अन्याय से भरा पड़ा है। नागरिक अधिकार आंदोलन ने सामाजिक न्याय एजेंडा और ऐतिहासिक अन्याय से संबंधित मुद्दों पर राजनीतिक वर्ग की बढ़ती संवेदनशीलता के साथ बदलाव लाया। हालाँकि, राजनीतिक वर्ग के बीच यह आम सहमति उलट गई थी क्योंकि 2016 में अपने राष्ट्रपति अभियान में डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कुत्ते–सीटी की कहानी को वापस लाया गया था। उदाहरण के लिए, उन्होंने आर्थिक लाभ उठाने के लिए अवैध प्रवास के लिए एशियाई और मध्य–अमेरिकियों को दोषी ठहराया था। गरीब श्वेत अमेरिकी आबादी की सामाजिक चिंताएँ। हालाँकि संदर्भ बहुत अलग है, क्योंकि भारत में किसी भी समुदाय को आप्रवासी नहीं कहा जा सकता है, फिर भी बहुसंख्यकवादी चिंताओं को भड़काने का एक आवेग हैरू राजस्थान में नरेंद्र मोदी की हालिया टिप्पणी एक उदाहरण है जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर इसे छीनने का लक्ष्य रखने का आरोप लगाया है। बहुसंख्यक समुदाय की संपत्ति और इसे घुसपैठियोंष को दे दें। भाजपा के शब्दकोष में घुसपैठिएष शब्द का प्रयोग 1990 के दशक में बांग्लादेशी मुस्लिम प्रवासियों की कथित अवैध आमद को रोकने की मांग के तहत सामने आया था। आज विडंबना यह है कि बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय भारत से अधिक है और ऐसा लगता है कि भारत में प्रवास करने के लिए किसी के लिए कोई आर्थिक प्रोत्साहन नहीं है। एक और समानता व्यापक रुझानों में है कि कैसे दो राष्ट्रीय राजनीतिक दल चुनावी आधार बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका में, एक सामाजिक कल्याण एजेंडे के साथ, डेमोक्रेटिक पार्टी एक इंद्रधनुषी गठबंधन चाहती है, जिसमें ब्लू–कॉलर, स्विंग राज्यों में सफेद आबादी और अफ्रीकी–अमेरिकी मतदाता और अन्य अल्पसंख्यक शामिल हों ताकि उसकी जीत सुनिश्चित हो सके जैसा कि उसने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में किया था। चुनाव. भारत में, भाजपा की रणनीति चुनावों को अखिल भारतीय मामला बनाने की है क्योंकि वह चाहती है कि हिंदू आबादी के विभिन्न जातीय, जाति और वर्ग समूह केवल अपनी धार्मिक पहचान के आधार पर मतदान करें। अल्पसंख्यकों के अलावा, विपक्ष हिंदू आबादी के भीतर विभिन्न वर्गों से अपील करना चाहता है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ी जाति समूह जैसे हाशिए पर रहने वाले समूह शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक के लिए अनुकूलित कार्यक्रम हैं। भाजपा की कहानी को रोकने के लिए क्षेत्रीय दलों द्वारा क्षेत्रीय गौरव का दावा भी किया जा रहा है।

मोबाइल की आभासी दुनिया में खोता बालमन

विनोद

सोशल मीडिया पर आये दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रुम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने–अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप या इसी तरह के किसी दूसरे एप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वोही आएगा जो अधिक ग्लेमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चेटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे। इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही हैं वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलों करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चौनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते–देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बेन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चौनलों, प्लेटफार्म, एप आदि पर रोक लगाने के लाख दावें किये जाते हो पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करें, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चें को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सैल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक दूसरे से मारामारी हाथा पाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चें, गेमिंग, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सैल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेस लड़कों और लडकियों दोनों में ही समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्टफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं।

लहर–रहित चुनावों से निराश मतदाताओं के लिए बुरी खबर

आदित्य

2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पूर्वानुमान, वास्तव में घोषित होने तक, यह था कि यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की जीत होगी। 17वीं लोकसभा के समापन सत्र में अपने आखिरी भाषण में, प्रधान मंत्री ने भविष्यवाणी की कि उनका पक्ष 370 सीटें जीतेगा और सहयोगियों के साथ कुल 543 सीटों में से 400 सीटें जीतेगा। जाहिर है, भाजपा की मशीनरी और मोदी सरकार के पास उपलब्ध संसाधनों ने 2019 में समर्थन की लहर का अनुमान लगाया था। 19 अप्रैल को पहले चरण में ही यह स्पष्ट हो गया कि कोई लहर नहीं है। सात चरण के विशाल चुनाव के दूसरे चरण और 190 निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए वोटों के बाद, मतदान में गिरावट स्पष्ट रूप से मतदाताओं के मोहभंग का संकेत देती है। परंपरागत ज्ञान के अनुसार, यह सत्तारूढ़ दल के लिए बुरी खबर है। यह सामूहिक विपक्ष के लिए भी बुरी खबर है जो कुछ राज्यों में गठबंधन और सीटों के समायोजन के जरिए भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ रहा है, जबकि कुछ राज्यों में अलग से। जब मतदाता चिलचिलाती गर्मी में भी ईवीएम बटन दबाने के लिए कतार में लगने में परेशानी महसूस नहीं करते हैं, तो यह राजनीतिक प्रतिष्ठान से कम उम्मीदों के साथ–साथ सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक नेतृत्व के प्रति असंतोष को दर्शाता है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दूसरे चरण में कम मतदान, 66.7 प्रतिशत, जो कि केवल तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट का संकेत देता है, इसका मतलब है कि इसी तरह, संगठित भाजपा विरोधी विपक्ष के लिए कोई बड़ा उत्साह नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय समावेशी विकास गठबंधन या तो. 10 साल की बेरोजगारी वृद्धि, बढ़ती मुद्रास्फीति और अधिकांश भारतीयों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय गिरावट के बाद, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल में महत्वपूर्ण रूप से कम मतदान, यह दर्शाता है कि मतदाता महसूस कर रहे हैं निराशा। अनुमान है कि मध्य प्रदेश में मतदान में 9.41 प्रतिशत की गिरावट, उत्तर प्रदेश में 6.9 प्रतिशत की गिरावट, केरल में 6.8 प्रतिशत की गिरावट और पश्चिम बंगाल में 4.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। यह सत्ता विरोधी लहर है. पहले चरण में मतदान प्रतिशत में 4.5 प्रतिशत की गिरावट एक संकेत थी कि भाजपा को बदलाव की आवश्यकता के रूप में पढ़ा गयाय दो चरणों के बीच इसका संदेश स्पष्ट रूप से ष्मुस्लिमष् झंडा उठाकर, कांग्रेस के घोषणापत्र में सामग्री को गलत बताकर और मंगलसूत्र को जब्त करके मुसलमानों में पुनः वितरित करने के बारे में बात करके हिंदुओं को जगाने की एक कवायद थी, जिससे यह निष्कर्ष निकालना उचित है। अनुमान है कि पार्टी अपने मूल आधार में समर्थन में गिरावट से हिल गई थी। कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के बांसवाड़ा घृणास्पद भाषण के खिलाफ शिकायत दर्ज करके पलटवार किया, लेकिन इससे दुर्भावनापूर्ण गलत व्याख्याओं का प्रवाह नहीं रुका है। कांग्रेस पार्टी विरासत करष् कैसे लागू करेगी, इस पर कहानी में और भी परतें जुड़ गई हैं, सत्ता में आने पर कांग्रेस द्वारा धन कैसे छीन लिया जाएगा, इस पर अनाप–शनाप बात करते हुए। श्री मोदी और भाजपा अनजाने में यह खुलासा कर रहे हैं कि वे किसे निराश मतदाता मानते हैं।

5 किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न पर गुजारा करने वाले 80 करोड़ भारतीयों के लिए, कोई अधिशेष नहीं है और कोई संपत्ति नहीं है जिस पर संभवतः विरासत कर लगाया जा सके। सोना और मंगलसूत्र उपभोग के स्तर का संकेत देते हैं जो ऐसे मतदाताओं को मध्यम वर्ग की व्यापक श्रेणी में डाल देगा। न तो पंडित और न ही कोई सर्वेक्षणकर्ता उन कारणों को बता सकता है कि मतदाताओं ने चुनाव न करने का विकल्प क्यों चुना है। हालाँकि, भाजपा नेतृत्व के भाषणों में बदलाव उन मतदाताओं की ओर इशारा करते हैं जो पार्टी के लिए मुख्य समर्थन आधार रहे हैं व्यापारी, वेतनभोगी मध्यम वर्ग, जिनके पास खोने के लिए संपत्ति और आय और संपत्ति है, ठीक उसी श्रेणी के मतदाता जो सुदूर भविष्य में ही सही, लेकिन 2047 तक विकसित भारत की चका चौंधा से विद्युतीकृत हो जाना चाहिए था। कम मतदान प्रतिशत की निरंतर प्रवृत्ति से संकेत मिलता है कि हिंदुत्व का जादू उतना शक्तिशाली नहीं है जितना कुछ लोग महसूस करते हैंय वास्तव में, इसकी व्याख्या भारत की राजनीति पर एक दुर्भावना के रूप में की जा सकती है जो मतदाताओं को दूर कर रही है। चुनाव से पहले सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज के सर्वेक्षण से पता चला कि 79 प्रतिशत भारतीय हिंदू राष्ट्र के सपने से मंत्रमुग्ध नहीं थे इसके विपरीत 79 प्रतिशत का मानना था कि देश सभी धार्मिक समुदायों के लोगों के लिए है। मोदी लहर की अनुपस्थिति और मतदान प्रतिशत में गिरावट स्वचालित रूप से विपक्ष–समर्थक या कांग्रेस–समर्थक लहर की ओर इशारा नहीं करती है। कोई लहर ही नहीं है. नरेंद्र मोदी सरकार को गिराने और भाजपा को हराने के अपने मिशन में सफल होने के लिए विपक्ष को प्रोत्साहन की जरूरत है। कांग्रेस और विपक्ष मतदाताओं का उत्साह कैसे बढ़ाते हैं, यह चुनाव के बाकी पांच चरणों में सामने आएगा। समस्या संगठनों की क्षमताओं और दक्षता के साथ हैय भाजपा के पास यह हैय कांग्रेस नहीं करती. क्षेत्रीय और छोटे दल बीच में आते हैं इन पार्टियों के पास वोट हासिल करने की क्षमता है, भले ही संगठन बेकार दिखें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्षेत्रीय दल अपने मतदाताओं को एकजुट करने में कितने अच्छे हैं, 2024 का चुनाव संकीर्ण मुद्दों के बारे में नहीं है। श्री मोदी और भाजपा अभियान टीम के लोक को बदलने के प्रयासों के बावजूद विपक्षी शासित राज्यों में सरकारों के कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, घुसपैठ और वोट बैंकों पर ध्यान केंद्रित करके विधानसभा चुनाव ष्हमष् बनाम ष्वेष् में बदल गया है, मतदाता पूरी तरह से जानते हैं कि उन्हें जो विकल्प चुनना है वह श्री मोदी के पद पर बने रहने के बारे में है।

गहराते जल-संकट से जीवन एवं कृषि खतरे में

ललित

मानवीय गतिविधियों और क्रिया–कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव–जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल–संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था– एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है। वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दर्शाता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है। लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है।

साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है।

पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धारती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल–संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, उन्हीं प्रयत्नों को व्यापक स्तर पर अपनाने एवं जल–संरक्षण क्रांति को घटित करने की अपेक्षा है। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है।

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागत योग्य फैसला

ललित

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति–रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक –संस्था को मजबूती मिलेगी। हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी 'गाने और डांस', 'शराब पीने और खाने' का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज–व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन–देन नहीं है। कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें। प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति–रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह–संस्था से जुड़े मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दर्शाया गया था। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे–दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। हिन्दू विवाह एक आदर्श परम्परा एवं संस्कार है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि + वाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है – विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी के बीच जन्म–जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे लेकर और ध्रुव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। यह दो परिवारों का भी मिलन है। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक संम्बंध से अधिक आत्मिक संम्बंध होता है और इस सम्बंध को अत्यंत पवित्र माना गया है। हिन्दू विवाह का न केवल पारिवारिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है, बल्कि उसका गहन आध्यात्मिक महत्व भी है। हिंदू धर्म ने चार पुरुषार्थ (जीवन की चार बुनियादी खोज), यानी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष निर्धारित किया है।

राजकीय बालिका इण्टर कालेज सरोसा भरोसा लखनऊ की छात्राओं ने किया सौ प्रतिशत मतदान करने का आह्वान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जनपद लखनऊ द्वारा संचालित स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज,सरोसा –भरोसा, लखनऊ में मतदाता जागरूकता हेतु श्लोकतंत्र का पर्वश वृहद स्तर पर मनाया गयाद्य जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मैडम रेखा दिवाकर, उप शिक्षा निदेशक, लखनऊ मंडल, श्री रावेन्द्र सिंह बघेल, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय , लखनऊ मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ दिनेश कुमार, उपस्थित रहे स

कार्यक्रम का शुभारंभ दर्प प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प तथा बैज अलंकरण तथा उद्बोधन से किया।

उक्त अवसर पर छात्राओं के अभिभावकों ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया, विद्यालय की छात्राओं ने सभी अभिभावकों को शपथ दिलाकर 20 मई को 2024 को मतदान अवश्य करने का संकल्प दिलाया तथा साथ ही विद्यालय में विभिन्न कौशल विकास कॉर्नर्स का भी निर्माण किया गयास

समुदाय को जागरूक करने के लिए कठपुतली एवं नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया तथा साथ ही आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए रोबोट, टेलीविजन आदि के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया गया छात्राओं ने लोगों को मतदान से संबंधित मेहंदी लगाकर मतदान की महत्ता समझाने का प्रयास किया तथा साथ ही मतदान से ही संबंधित रंगोली का भी निर्माण किया गया सउक्त अवसर पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों को भी प्रस्तुत किया गयास मुख्य अतिथि उप शिक्षा निदेशक , लखनऊ मण्डल मैडम रेखा दिवाकर ने सभी बच्चों एवं अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मतदान का प्रतिशत कम क्यों है ये चिंताजनक विषय है और इसके लिए सभी को मिलकर विचार करना होगा तथा घर से मतदान केंद्र तक की दूरी तय करनी होगी । विद्यालय के बच्चे सशक्त होकर अपनी बात रख रहे हैं ये प्रशंसनीय है।तत्पश्चात जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय ,लखनऊ श्री रावेन्द्र सिंह बघेल ने विद्यालय की प्रधानाचार्या को बधाई देते हुए उपस्थित जनों से मतदान में बढ़ चढ़ कर भाग लेने का अनुरोध किया। इस अवसर पर उपस्थित मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी,लखनऊ मण्डल डॉ दिनेश कुमार ने अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहने का अनुरोध किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना यादव सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया तथा आए हुए सभी अतिथियों को 20 मई 2024 को उनके अधिकार का प्रयोग अवश्य करने हेतु आग्रह किया। कार्यक्रम का समापन सभी के द्वारा ली गयी शपथ के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं वन्दना तिवारी, मधु रस्तोगी,पूनम ओझा,गजाला औसाफ सिद्दीकी,दीप्ति विश्वकर्मा,निशा सिंह,मीना कुमारी, किरन यादव ,आरती सक्सेना,प्रमिला सिंह,उर्मिला,प्रियंका त्रिपाठी,अर्चना यादव,कंचन द्वारा किया गया।

मूल्यांकन कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूरा करने की अपील – कुलपति

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सम सेमेस्टर 2024 का मूल्यांकन शुक्रवार को बाबा साहब देवरस केंद्रीय मूल्यांकन भवन में प्रारंभ हो गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह और परीक्षा नियंत्रक अजीत सिंह ने विधिवत पूजन कर मूल्यांकन प्रारंभ कराया। इस अवसर पर कुलपति ने शिक्षकों को समय से परीक्षा कराने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और मूल्यांकन कार्य को भी गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूरा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सुचिता से परीक्षा कराई गई है ठीक उसी तरह सही ढंग से मूल्यांकन कार्य भी होना चाहिए। मूल्यांकन समन्वयक डा. रामजीत सिंह, सह समन्वयक डॉ. अनुराग मिश्र एवं डॉ. ममता सिंह के पिछले मूल्यांकन के कार्यों की सराहना

करते हुए कहा कि आपके कार्य को देखते हुए पुनरू दायित्व दिया गया है। मूल्यांकन में लगे कर्मियों को निर्देश दिया कि बाहर से आए हुए परीक्षकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उनके नाश्ते व रहने की उत्तम व्यवस्था की जाए। सर्वप्रथम समाजशास्त्र विषय का मूल्यांकन प्रारंभ हुआ जिसमें कुल 190 परीक्षकों ने मूल्यांकन कार्य किया।

ब्लड डोनेट करके वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर बने डाक्टर कैप्टन सुरेश सैनी का जोरदार स्वागत

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डॉक्टर कैप्टन सुरेश सैनी डबल सेंचुरियन ब्लड डोनर , वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर के सिंगरामऊ में पहुंचने पर ठाकुरबारी महिला विकास कल्याण समिति की संस्थापिका सचिव ६ प्रबंधक डॉक्टर अंजु सिंह, राजा हरपाल सिंह डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर एके सिंह एवं उनके टीम द्वारा माल्यार्पण पुष्पगुच्छ और मोमेंटो देखकर उनका जोरदार स्वागत किया गया ।

डॉक्टर कैप्टन सुरेश सैनी ने बताया कि उन्होंने अपना 241वा रक्तदान वाराणसी में स्थित होमी भाभा टाटा कैंसर हॉस्पिटल मे किया । डॉक्टर सैनी 1986 में सेना में भर्ती हुए , और 2020 में सेवानिवृत हो गए । देश सेवा के साथ–साथ उन्होंने अपना रक्तदान कर मानवता की सेवा कर एक मिसाल दी है । उनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड , इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड जैसी 50 से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बुक ऑफ रिकार्ड्स में शामिल है। रक्तदान के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य सचिव दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री

महामहिम राज्यपाल द्वारा मान्यता दिवस 2022 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा सेवा के वॉइस के ऑफ आर्मी स्टाफ द्वारा और 20 राज्यों में अभी तक सम्मानित हो चुके हैं रक्तदान के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए उन्हें 2023 24 के लिए पदम श्री के लिए नामांकित किया गया है डॉक्टर सुरेश सैनी ने बताया कि देशभर में भ्रमण कर युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक कर रहे हैं भारत में रक्त क्रांति लाने को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया है ताकि कोई भी मरीज बिना रक्त के अपनी जान ना गवाएं इस अवसर पर जिला न्यायाधीश उपभोक्ता आयोग जमशेदपुर की डॉक्टर की अपर्णा मिश्रा भी पधारी थी जो 25 बार रक्तदान कर चुकी है महिलाओं को तक दान के लिए प्रेरित करती हैं अनाथ बच्चों के लिए शिक्षा रहना और खाने का प्रबंध भी करना उनके ट्रस्ट का काम है वाराणसी से डॉक्टर सत्य प्रकाश आर्य भी पधारे थे जिन्होंने 146 बार रक्तदान किया है अपने संक्षिप्त भ्रमण में डॉक्टर सैनी ने अपने अनुभवों को बताते हुए सभी को बहुत मोटिवेट किया संस्था प्रमुख डॉक्टर रंजू सिंह ने उन सभी का आभार प्रकट किया है।

प्रत्येक नागरिक को मतदान करना जरूरी : प्रो. अविनाश पाथर्डीकर

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत शुक्रवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के छात्र–छात्राओं को मतदान हेतु शपथ दिलाया गया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि एक मजबूत और सशक्त लोकतंत्र को सतत बनाये रखने के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान प्रक्रिया में भागीदारी जरूरी है। लोकतंत्र में एक–एक वोट बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। प्रो. पाथर्डीकर ने छात्र–छात्राओं से कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लोकतंत्र के इस महापर्व में जो छात्र 18 वर्ष पूर्ण कर चुके है वे सभी वोट के दिन न केवल स्वयं बूथ पर जाकर अपने मत का प्रयोग करने के साथ ही वे सभी परिवार के अन्य सदस्यों एवं हित–मित्रों को भी मतदान में बढ़–चढ़कर प्रतिभाग कराने आह्वान भी किया। इसी क्रम में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो मानस पाण्डेय ने छात्र–छात्राओं को मतदान के महत्व को समझाया। इसके साथ ही प्रो. पाण्डेय ने कहा कि हमें ऐसी सरकार या प्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिए जो राष्ट्र को विकास और तरक्की के पथ पर आगे ले जाए। कार्यक्रम के अंत मे प्रो पाथर्डीकर ने मौजूद विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई और आगामी लोकसभा चुनाव में प्रतिभाग करने हेतु शुभकामना प्रेषित किया। इस अवसर पर संकाय के शिक्षक डॉ. प्रवीण मिश्र, डॉ. अभिनव, डॉ. निशा पांडेय, अनुपम कुमार, श्रुति श्रीवास्तव, राकेश कुमार उपाध्याय आदि के साथ संकाय के छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे।

मुझे फर्जी केस में फसाया गया,मैं जनता के मुद्दों को सड़क से सदन तक उठाता रहूंगा - धनंजय सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरेली जेल से रिहा होकर नीम करोली बाबा का दर्शन करने के उपरांत गुरुवार को सड़क रास्ते से सूरापुर में विजेठूआ महावीर धाम का दर्शन करने के उपरांत माता शीतला का दर्शन पूजन कर अपने घर पहुंचे। बाहुबली नेता पूर्व सांसद धनंजय सिंह का उनके समर्थकों ने ढ़ोल नगाड़ो से जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान उन्होंने मीडिया के सवालों का जबाव देते हुए कहा कि मुझे एक फर्जी केस में जेल भेजा गया।2020 में नमामि गंगे परियोजना के तहत जौनपुर में चल रहे कार्य में घोटाले को मैंने उजागर किया।यह मामला विधान परिषद में भी उठा हुआ था।सत्य को उजागर करने में मुझे फर्जी केस में फंसाया गया।जिस तरीके से चुनाव के समय मेरे खिलाफ घेराबंदी की गई थी,मुझे चुनाव से रोकने के लिए ताकि मैं चुनाव न लड़ पाऊ।बसपा ने मेरे पत्नी को यहां से प्रत्यासी बनाया है।इस संघर्ष के दौर में हर वर्ग के लोगो ने मेरा साथ दिया है।हमारे विपक्षियों को लगता है हमारे बाहर रहने से उनको खतरा है,आये दिन फर्जी मुकदमे लादे जा रहे है। 2002–03 में जब मैं विधायक था तब एक महीने में ही मेरे ऊपर 10–12 मुकदमे दर्ज हुए थे।जनता के मुद्दे को बेबाकी से सड़क से सदन तक उठाता रहूंगा।इसके लिए मुझे चाहे कुछ भी सहना पड़े। है एक छोर से दूसरे छोर पर 100 किमी का दायरे में घूमेंगे तब राजनीति कुछ समझ आएगा।

हांथी का अपना आधार है और जिले की 25 सालों की राजनीति में हाथी से ज्यादा हमारा अपना आधार है।जितना ज्यादा हाथी को हमसे है उससे ज्यादा हाथी को हमारे समर्थको से फायदा

समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार बाबूसिंह कुशवाहा पर तंज कसते हुए कहा कि उसका तो जनता से जुड़ाव ही नही है।वह विधान परिषद के सदस्य रहे फिर सीधे मंत्री बन गए और दूसरे जो मुंबई से आये हुए है वह केवल शहर की दो तीन किलोमीटर की राजनीति किए हुए है। वही जौनपुर की बड़ी राजनीति है।दोनो विपक्षी दल के पार्टी नाम पर जितना लड़ पाएंगे उतना लड़ पाएंगे उनका कोई अपना आधार नही है।विधायक अभय सिंह के आरोपो पर उन्होंने कहा कि माफियाओं के बारे में मुझसे बात मत करें।उनके बारे में बात करना हो मेरे पास बैठ जाइए उनका पूरा चिठ्ठा पत्रा मैं दे दूंगा।

कहां गये वो दिन

चुनावी कुरुक्षेत्र में गडित, भूगोल बताने में माहिर चाय पान की दुकान

सुजानगंज/जौनपुर। क्षेत्र में इस चुनावी कुरुक्षेत्र में ऐसी बयार चल रही है कि चाय पान की दुकानें गडित भूगोल पढ़ाने लगी है। जहां गांव गांव की पगडंडियों पर चमचमाती कारों का काफिला धूल का गुब्बार उड़ता हुआ कारों का काफिला गांव में प्रवेश कर नव ६

ानाढ्य घर के सामने एक बिन बुलाए मेहमान की भांति अपनी आओ भगत करा आगे निकल जाता है बगल में खड़े चकरी चाचा, रहीम भाई, छोटू पंडित धूल के गुब्बार की तरह अपनी भावनाओं को ऊपर उठाकर धीरे–६ ाीरे मन मसोस कर रह जाते हैं कि काश हम भी मतदाता ना होकर एक संवेदना शून्य चापलूस होते जिसकी गोटी चारों तरफ फिट रहती हर राजनीतिक दल स्वाती के बूंद की तरह बिना पाये आस लगाए आता है और बादलों की गड़गड़ाहट सुन प्यासे पपीहा की तरह पी कहां पी कहां करता और हवा का झोंका आता और आसमान साफ हो जाता गरीबों के हक पर अभी भी तमाम बंदिशो के बावजूद बगुले के ध्यान लगाए बैठे हैं कि किस प्रकार गरीब के हक्क का निवाला उद्रस्त कर ले रही बात चुनावी चकलस् में बिना काम दिन भर व्यस्त रहने वाले राजनीतिक पंडित सर्वज्ञ विराजमान रहते है उनके लिए पूरा गांव के गांव मुट्ठी में रखने वाले बाक बहादुर अपने वाक्य जाल में प्रत्याशियों को ऐसा फसाते हैं कि वह सुबह, दोपहर, शाम तक पाला बदल गिरगिट को भी मात दे देते हैं चौराहे पर बैठा हर तीसरा चौथा चुनावी पंडित ही होता है बिना उसके ज्ञान एवं साथ के उसे क्षेत्र का भूगोल,गडित किसी को मालूम नहीं है मतदाता को अपना मत देना है वह चाहे जिस दल को दे इससे उन्हें कोई मतलब नहीं लेकिन एक दिन में गांव के गांव का माहौल बदल देना उनके बाएं हाथ का खेल होता है यह दर्शाकर अपनी श्री में वृद्धि कर अगले शिकार के लिए निकल लेते है पहले के चुनाव में प्रत्याशी या उसके प्रचारक व्यक्तिगत संबंधों के बल पर किसी मतदाता से अपने मन की बात मनवा लेते थे परंतु वर्तमान में डर एवं लोभ में अपने पाले में खड़ा करने की असफल कोशिश करते हैं मतदाताओं की स्थिति पर एक कवि ने सही कहा है। सुखे सर तड़पत जलज,बादर सींचत काशि। सागर सेवत स्वातिजल, चातक मरत पियास।

होटल मैरियट में 10 दिवसीय पधारो म्हारे देस 2.0 राजस्थानी फूड फेस्टिवल शुरू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर के विभूति खंड स्थित होटल फेयरफील्ड बाई मैरियट फिर से एक बार आपके शहर में गुरुवार से 10 दिवसीय पधारो म्हारे देस 2.0 राजस्थानी फूड फेस्टिवल लेकर के आ रहा हैं। जनरल मैनेजर सचिन मल्होत्रा ने बताया कि होटल फेयरफील्ड बाई मैरियट हमेशा अपने मेहमानों के लिए कुछ अलग स्वाद लेकर आता है। इस बार हमारी कोशिश रहेगी

कि हम अपने मेहमानों के लिए अविस्मरणीय यादें बना सकें। जिसके मद्देनजर इस महीने 02 से 12 मई तक राजस्थानी फूड फेस्टिवल की शुरुआत की गई। सचिन मल्होत्रा का कहना है कि बच्चो के लिए किड्स जॉन, फॉक म्यूजि एवं डांस, कैमल राइड, पपेट शो ,पॉटरी मेकिंग और(6–8) शॉपिंग स्टॉल्स लगाए गए हैं। प्रख्यात शेफ चेतन सिंह ने बताया कि राजस्थानी फूड में लाइव काउंटर पर राबोड़ी लीला कांदा, गट्टा करी ,केर सांगरी, चक्की की सब्जी, दाल मारवाड़ी,बाजरे का खिचड़ा, बाटी चूरमा जैसे व्यंजन रखे गए हैं। इस सीजन के भोजन के सबसे बड़े त्योहार श्पधारो म्हारे देस 2.0 की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है राजस्थानी फूड फेस्टिवल – शेफ चेतन सिंह सीजन 1 की शानदार सफलता के बाद, फिर से वापस आए हैं राजस्थान के अजमेर जिले के अदावाला नामक छोटे से गाँव के रहने वाले शेफ चेतन सिंह ने राजस्थानी व्यंजनों के प्रति अपने जुनून और गहन ज्ञान से ध्यान आकर्षित किया है। प्रामाणिक स्वादों और व्यंजनों की उनकी खोज ने उन्हें राजस्थान के अंदरूनी गांवों की 3 महीने की यात्रा पर निकलने और दादी मां की रसोई देखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान, उन्होंने स्थानीय खेती और खाना पकाने की तकनीकों का अध्ययन किया, जिससे राजस्थानी खाना पकाने में उपयोग की जाने वाली अनूठी सामग्रियों और तरीकों की गहरी समझ पैदा हुई, जो धीरे–धीरे गैस्ट्रोनॉमिक यात्रा के मेनू से बाहर हो रही है। उन्होंने घरेलू रसोई में खाना पकाया और शाही और घरेलू रसोई के असली स्वादों को एकत्र किया। तैयार किया गया मेनू प्रसिद्ध ष्देसी घीष के उपयोग के साथ सभी जैविक और घरेलू व्यंजनों के साथ पकाया जाता है। फूड एंड बेवरेज मैनेजर जितेंद्र सिंह के अनुसार, होटल में व्यंजनों के साथ संगीत का मजा भी लिया जा सकता है, इसके लिए हर एक दिन कोई न कोई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस बार म्यूजिक के लिए हमने भारतारिक भारतीयों को संगीत कार्यों को प्रयुक्त कर रहे हैं जिसमें तबला, रस्सीतर, सारंगी जैसे जुड़े हैं।

जीतने के बाद जनता के बीच हमेशा रहूंगा – कृपा शंकर सरोज

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर सुरक्षित संसदीय क्षेत्र के बसपा उम्मीदवार कृपा शंकर सरोज ने शुक्रवार को दो सेट में अपना नामांकन दाखिल किया।इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कृपा शंकर सरोज ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद जो भी अधूरे कार्य है उसको पूरा करेंगे। जनता का पूरा सहयोग व समर्थन मिल रहा है।सड़क चौड़ीकरण ,महिलाओं के लिए कालेज, जो काम पहले के नही हो सके है उनको पूरा करने का प्रयास करूंगा। पंजाब में अधिकारी रहकर वहां की सुविधाओं को देखता था और यहां का देखता था तो मन मे हमेशा कष्ट रहता था कि पंजाब में जो सुविधाएं है वो यहाँ क्यों नही हो सकती। किसी काम को लेकर किसी के ऊपर दोषारोपण करने से अच्छा है कि मैं खुद चुनाव लड़कर विकास करूँ। मैं एक आईएएस अधिकारी रहा हूँ किसी भी मंत्रालय में जाकर अपने तमाम साथी जो पीसीएस ,आईएएस है उनसे निवेदन करके तमाम सारी योजनाओं को जनपद में लाने का प्रयास करूंगा। बसपा बहुजनों व गरीबो दबे कुचले लोगो की पार्टी है इस नाते बसपा से चुनाव लड़ने का फैसला किया। जीतने के बाद जनता के बीच हमेशा रहूंगा। मेरे क्षेत्र की जनता मुझसे पूरी तरह से परिचित है मैं समय–समय पर अपने क्षेत्र की जनता से मिलता रहा हूं।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का आधार कार्ड नं. 618766284237 है। जिसपर मेरी पुत्री का नाम निधि शाक्य पुत्री चन्द्रशेखर शाक्य जन्मतिथि 01.01.2009 लिखा है जो गलत है मेरी पुत्री का सही नाम अनन्या शाक्य पुत्री चन्द्रशेखर मौर्य व जन्मतिथि 09.04.2010 है।

चन्द्रशेखर मौर्य
पुत्र स्व. पारस नाथ
ग्राम राजेपुर
पो. कजगांव
सदर, जौनपुर

सडक सुरक्षा परववाड़ा मनाने का उद्देश्य सडक दुर्घटनाओं में कमी लाना – डा. आर पी सिंह

अयोध्या। परिवहन विभाग का उद्देश्य वर्तमान और भविष्य में वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है।जिससे हर साल सड़कों पर मारे गए और घायल लोगों की संख्या को कम करना है। उक्त बाते सहायक एआरटीओ (प्रशासन) डॉ राजेश प्रताप सिंह ने आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रणाम अयोध्या में मार्ग दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सामान्य नियमों की परिचर्चा में जानकारी देते हुए व्यक्त किए।सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) डॉ ने जानकारी देते हुए बताया गया कि परिवहन विभाग व शासन की मंशा के अनुरूप सडक दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और उसमें कमी लाने के उद्देश्य से सडक सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जाता है।जोकि कई चरणों में पूरे प्रदेश के लोगो में सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए मनाया जाता है।इसी कडी में 22 अप्रैल से 4 मई तक सडक सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज की दुनिया में सड़क और परिवहन प्रत्येक माननीय जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है।भारत में ही हर साल करीब 80 हजार लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते

हैं जो पूरी दुनिया में होने वाली कुल मृत्यु का 13 प्रतिशत है।अधिकांश दुर्घटनाओं में चालक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अधिकत्तर मामलों में दुर्घटनाएं या तो लापरवाही के कारण होती हैं या सड़क उपयोगकर्ता की सड़क सुरक्षा जागरूकता की कमी के कारण होती हैं। इसलिए सड़क सुरक्षा शिक्षा जीवित रहने के किसी भी अन्य बुनियादी कौशल की तरह ही आवश्यक है।सड़क यातायात सुरक्षा एक प्रकार का विधि या उपाय है।जिससे सड़क दुर्घटना में लोगों को चोट लगने और उससे मौत होने आदि घटनाओं को कम करने का प्रयास परिवहन विभाग व शासन द्वारा किया जाता है। इस मौके पर एआरएम रोडवेज आदित्य प्रकाश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम मोदी के रोड शो के लिये तैयार वाहन पहुंचा पुलिस लाइन

अयोध्या। पांच मई को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम जन्मभूमि प्रवेश द्वार के समीप सुग्रीव किला से राम पथ मार्ग से लता चौक तक रोड–शो करेगे।रोड शो को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो से पहले ही जहां एक ओर पर्याप्त संख्या में एसपीजी, आरएएफ, सीआर पीएफ,एटीएस, बीएसएफ सहित पुलिस व खुफिया एजेंसी के अधिकारियों व कर्मियों ने सुरक्षा की दृष्टि से रुप रेखा तैयार कर लिया है।वही शुक्रवार को जिस वाहन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच मई को अयोध्या ६

ाम में सुग्रीव किला से लता मंगेशकर चौक तक दो किलोमीटर तक रोड करेंगे वह वाहन भी पुलिस लाइन में आ गया है।बताते चलें कि यह वाहन भगवा रंग में रंगी है।बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पांच मई को रामनगरी में होने वाले रोड शो की रूपरेखा गुरुवार को ही भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के बैठक के दौरान तय हो गई थी। भाजपा पदाधिकारियों के मुताबिक उनका रोड–शो शाम को सुग्रीव किला,निकट राम जन्मभूमि प्रवेश द्वार रामपथ से लता चौक तक जाएगा। दो किलोमीटर के रोड शो को ऐतिहासिक बनाने के लिए भाजपा ने जोर– शोर से तैयारियां शुरू कर दी है।

कोतवाली दुबग्गा पुलिस टीम द्वारा अन्तरराज्यीय जालसाजी करने वाले अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी डॉक्टर दुर्गेश कुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राजध ानी में अंतरराज्यीय एवं अंतर्जनपदीय अपराधी, अपराध करते हैं और भाग

जाते हैं जिन्हें पकड़ने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। पुलिस आयुक्त एस०बी० शिरडकर कमिश्ररेट लखनऊ के निर्देशानुसार संयुक्त पुलिस आयुक्त उपेन्द्र कुमार अग्रवाल व आकाश कुलहरि तथा पुलिस उपायुक्त पश्चिमी डा. दुर्गेश कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त विश्वजीत श्रीवास्तव एवं सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी शकील अहमद के निकट पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक दुबग्गा अभिनव कुमार वर्मा के नेतृत्व में कोतवाली दुबग्गा लखनऊ व सर्विलान्स प० टीम द्वारा थाना दुबग्गा पर पंजीकृत बृ०अ०स० 67ध्2024 ध ारा 406/420/489वी भादवि से सम्बन्धित अभियुक्तगण मुसम्मी 1 विजय सौरीराजन पुत्र सौरीराजन निवासी नानं0 12ध122 ए सेट्टियार स्ट्रीट सेरूवाविडिथी थाना विरुचित्रलम्बलन जिला थंजावुर राज्य तमिलनाडु उम्र करीब 58 वर्ष 2. एम गनेशन पुत्र मुधड्या निवासी 3ध्214 मेन रोड थिरुचित्रलम्बलम पटुक कुटई तालुका बाला विरुचित्रलम्बलम जिला थंजावुर राज्य तमिलनाडु उम्र करीब 51 वर्ष को आज दिनांक 02.05.2024 को हिरासत पुलिस में लिया गया।

मुकदमा उपरोक्त आवेदकगण 1. कमाल अहमद पुत्र रहमत अली, निवासी ग्राम महिपतमऊ थाना दुबना लखनऊ 2. मो० तुफैल पुत्र साजिद अली निवासी महिपतमऊ थाना दुबग्गा जनपद लखनऊ उम्र करीब 42 वर्ष 3. मो० रफीक पुत्र स्वछ फिदा हुसैन निवासी ग्राम महिपतमऊ थाना दुबग्गा जनपद लखनऊ उम्र करीब 44 वर्ष द्वारा बावत अभियुक्तगण द्वारा स्टील बर्तन मिल्टन सेलो आइटम व प्लास्टिक व लकड़ी के फर्नीचर व इलेक्ट्रानिक्स आइटम्स को मार्केट रेट से कम रेट पर देने का लालच देकर रशीद काटकर पैसे ले लेना व भाग जाने के सम्बन्ध दिनांक 14.03.2024 को मु0अ0स0 67/2024 धारा 420/406 भादवि0 बनाम– अज्ञात के विरुद्ध थाना स्थानीय पर पंजीकृत होकर विवेचना उ०नि० संतोष कुमार सिंह को सुपुर्द हुई थी। जिनके द्वारा विवेचनात्मक कार्यवाही की गई।

उ0नि0 सन्तोष कुमार सिंह मय हमराह हे०का० रजीत कुमार व का0 7474 बृजेश कुमार यादव मय प्राईवेट वाहन के थाना दुबग्गा से प्रस्थान होकर देखभाल क्षेत्र गश्त रोकथाम जुर्म जरायम चेकिंग सदिग्ध व्यक्ति वाहन, तलाश वांछित वारन्टी सबधित मु0अ0स0 0067/2024 धारा 420/406 भा०व०वि० से संबंधित वांछित अभियुक्तगण की तलाश में जौगर्स पार्क चौराहे पर थे दौराने चेकिन पुलिस उपायुक्त पश्चिमी की सर्विलान्स टीम के उप निरीक्षक आशीष बालियान व उप निरीक्षक अंकित बालियान अपने हमराही कर्मचारी गण हेड कांस्टेबल प्रदीप तिवारी व कांस्टेबल वैभव कुमार के मय प्राईवेट वाहन के उपस्थित आये तथा थाना क्षेत्र में हो रहे अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्त गणो की गिरफ्तारी के सम्बन्ध ा में वार्ता की जा रही थी कि दौराने वार्ता मुखबिर खास उपस्थित आया तथा अवगत कराया कि मुकदमा अपराध ा संख्या 0067/2024 से सम्बन्धित अभियुक्त गण जिनके द्वारा सिकरौरी में दुकान खोलकर लोगों का पैसा लेकर भाग गये थे वह दोनो व्यक्ति पैला पुल पर खड़े है तथा कही भागने की फिराक में साधन का इन्तजार कर रहे है अगर जल्दी की जाये तो पकडे जा सकते है। इस सूचना पर विश्वास करके हम पुलिस वाले पुल के पास खड़े दोनो व्यक्तियों के पास पहुँचे की हम पुलिस बल को अचानक देखकर दोनो व्यक्ति मौके से भागने का प्रयास करने लगे कि हमराही कर्मचारी गणो की मदद से मौके पर घेर धार कर दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्तियों से नाम पता पूछते हुए जामा तलाशी ली गयी तो पहले व्यक्ति ने अपना नाम विजय सौरीराजन पुत्र सौरीराजन निवासी म०न० 12/122 ए सेट्टियार स्ट्रीट सेरूयाविडिथी थाना थिरुवित्रलम्बलम जिला थजावुर राज्य तमिलनाडु उम्र करीब 58 वर्ष बताया तथा जामा तलाशी ली गयी तो पहने हुए दायी जेब से 1500 रुपये क्रमाक संख्या 2AM 338115, 9BN 025729 व 7EV 370710 एप आधार कार्ड संख्या 680841914617 व होटल का विजटिंग कार्ड A1 HOTEL KHUNTI, दुकान का विजटिंग कार्ड M-N TRADERS JAGANNATH HEIGHTS DIST- KHUNTI 6 कार्ड व एक अदत मोबईल फोन वीवो कम्पनी के बैगनी रंग का बरामद हुआ। तथा हाथ में लिए बैग की तलाशी ली गयी तो बैंग में पहनने वाले कपडों के अलावा कुछ दवाईयों व M-N TRADERS JAGANNATH HEIGHTS DIST KHUNTI के विजिटिंग कार्ड 50 अदद व रुपये पूरे नग के लिफाफे में रखा हुआ बरामद हुए नोटों को निसान 500 रुपये की 08 नोट व 100 रुपये की पोट मिली। बैत्र में लिफाफे से बरामद भीटी को देखा गया तो उसमें 500 रुपये की प्रत्येक नोट एक ही सिरीज की थी जिसस कराख्या 4AL 459311 अकित है तथा 100 रुपये की 14 नोटों का कमास एक ही है जिसका क्रमाक सख्या OPM 02 100 रुपये की पांचदी नोट का क्रमांक सख्या 6PM 029979 है एक ही सिरीज की कई नोट होने के कारण कड़ाई से पूछने पर बताणा कि ग्रह जो नोट हमारे बैग से मिली है यह तब नकली नोट है। दूसरे सरे अभियुक्त से सेनाम पता पूम गया तो उसने अपना नाम एम गनेशपुर मुबईया निवासी 3ध्214 मेन रोड थिरुचित्रतम्बलम पहुक कुटई तालुका बाना विरुविलम्बनम जिला बजावुर राज्य तमिलनाडु उम्र करीब 51 वर्ष बताया। जामा तलाशी ली गयी तो पेन्टू की पिछली जेब से एक अदद पर्स पूरे का बरामद हुआ जिसमें एम: गनेशन का आधार कार्ड संख्या 301216723427 व पैन कार्ड AORPG2976C व 4000 रुपये बरामद हुए नोटो को पेश किया गया तो 50 रुपये के थी मोट एक ही सीरियल नम्बर के क्रमांक संख्या 800 602790 व 100 रुपये की 07 नोट क्रमाक संख्या 6PM 029954 की एक नीट, कमांक संख्या 6PM 029965 की एक नोट, क्रमांक संख्या BPM 029966 की एक नोट क्रमाक सख्या 6PM 029973 की दो नोट, क्रमांक सख्या BPM 029991 की दो नोट तथा 200 की एक नोट क्रमांक संख्या 4थ्त 252744 तथा 500 की 04 नोटो की एक ही क्रमांक संख्या 4AL 459311 पर्स में अलग रखे है तथा 500 की दो नोट अलग रखी हुई है जिसका क्रमाक सख्या FES 2530954 3AL 805073 है बरामद हुई। पर्स में एक औरत की फोटो व अपनी फोटो रखा है तथा यूनियन बैंक का डेबिट कार्ड संख्या 6083328839585561 व एक अवद मोबाईल फोन एम आई कम्पनी का सोनहरे रंग का बरामद हुआ अलग रखे नोटों के सम्बन्ध में कड़ाई से पूछा गया तो बताया कि साहब जो नोट अलग से रखे है यह नकली व कूट रचित नोट है। में बताया कि साहब हम लोग अपना राज्य छोडकर दूसरे राज्य में दुकान किराये पर लेकर वहाँ से जीएसटी नम्बर दुकान के नाम पर लेकर फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक व बर्तन तथा मोवाईल इत्यादि बेचने की दुकान खोलते है तथा दुकान पर आने वाले लोगो को विश्वास में लेकर नई स्कीम बताकर पहले सामानों को मार्केट से सस्ते रेट में बेचने का लालच देकर लोगो से सामानों के एवज में पैसा लेकर उनको दुकान की रसीद काटकर दे देते है तथा 15 दिन काय सामल लोगों को डिलेवरी करते है। तथा जब लोगों को विश्वास हो जाता है तो लोग दुकान से काफी सामान खरीदने के लिए आकर पैसा जमाकर रसीद लेते है और जब हम लोग काफी रुपया इकट्ठा कर लेते है तो लोगों को धोखा देकर मौका पाकर दुकान बन्द कर जस राज्य से भाग जाते है दुकान पर लेन देन करते समय हम लोग ग्राहको को रुपवा वापस करते समय एक दो नकली नोट असली बताकर दे देते हैं जो हम लोगों के पास से नकली नोट बरामद हुई है वह उसी से बची हुई नोट है जो आपने हम लोगो के पास से बरामद किया है। पकड़े गये अभियुक्तगण का यह कार्य अन्तर्गत धारा 420/406/489 बी भा०व०वि० का दण्डनीय अपराध है का बोध कराते हुए पकड़े गये अभियुक्त गणों के पास से बरामद नकली नोट को कब्जा पुलिस तथा अभियुक्तगणों को हिरासत पुलिस में समय 07.00 बजे बाजाफता प्रकाण्या लिया गया। बरामद नकली नोटो को अलग अलग पार्दर्शी प्लास्टिक के डिब्बों में रखकर सील सर्व मोहर कर नमुना मोहर तैयार किया गया तथा जामा तलाशी में बरामद असली नोटो की चिट बन्दी की गयी। फर्द व गिरफ्तारी मेमो मौके पर मुझ उप०नि० द्वारा प्रकृति की रोशनी में तैयार कर पढ़कर सुनाकर सर्व सम्बन्धित के अलामात बनवाये गये तथा दौराने गिरफ्तारी व बरामदगी मा० सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों व निर्देशों का अशरक्षः अनुपालन किया व कराया गया।

सांसद रवि किशन 10 मई को करेंगे नामांकन

गोरखपुर, संवाददाता। भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन की तिथि तय कर दी गई है गोरखपुर, बांसगांव, महराजगंज लोकसभा क्षेत्र में 10 मई को नामांकन होगा। इस दौरान भोजपुरी सुपरस्टार और भाजपा के सांसद रवि किशन, कमलेश पासवाल और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी अपना नामांकन करेंगे। वहीं, कुशीनगर सांसद पद प्रत्याशी विजय दूबे और सलेमपुर से प्रत्याशी रविंद्र कुशवाहा 7 मई को नामांकन करेंगे। जबकि, देवरिया की सीट पर भाजपा प्रत्याशी शशांक मणि त्रिपाठी अपना नामांकन 9 मई को करेंगे।

चाकू से वार कर युवक की हत्या, गांव में बुलाकर घटना को दिया गया अंजाम

बलिया, संवाददाता। बलिया के खेजुरी थाना क्षेत्र के खेजुरी गांव में गुरुवार सुबह 11:45 पर धारदार हथियार से वार कर एक युवक की हत्या कर दी गई। इसकी जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को सीएचसी खेजुरी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस शव को लेकर थाने चली आई। घटना की जानकारी होते ही थाने पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों का दबाव बढ़ते देख पकड़ी, सिकंदरपुर के एसएचओ भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बड़े भाई नितेश सिंह ने सात लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। खेजुरी थाना क्षेत्र के खड़सरा (शहरपालिया) निवासी ब्रजेश सिंह (25) पुत्र परमात्मा नंद पूर्वाह्न 11 बजे के आसपास खेजुरी गए थे। उसी दरम्यान किसी ने उन्हें गांव में बुलाकर उनके ऊपर धारदार हथियार से सिर और गर्दन पर कई वार कर दिए। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी होकर वहीं गिर गए।

किसी ने घटना की सूचना डायल 112 को दी।इसी बीच परिजनों को भी घटना की जानकारी हो गई। सूचना पर मृतक का बड़ा भाई निकेश सिंह परिजनों के साथ मौके पर पहुंच गए। पिता परमात्मानंद सिंह का रोते–रोते बुरा हाल था। वहीं, मां मीना देवी बेसुध ा हो जा रही थीं। बड़े भाई नितेश थाने पर होमगार्ड की ड्यूटी करते हैं, वह भी बिलख रहे थे। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) अनिल कुमार झा और सीओ आशीष मिश्र के अलावा पकड़ी और सिकंदरपुर थाने के एसएचओ भी सदलबल मौके पर पहुंच गए।

मल्लाहों ने गंगा में डूब रहे दो युवकों में से एक को बचाया

भदोही, संवाददाता। भदोही के कोईरौना थाना क्षेत्र के सीतामढ़ी गंगा घाट पर गुरुवार की दोपहर स्नान कर रहे दो युवक गंगा में डूबने लगे। मौके पर मौजूद एक मछुआरे ने एक युवक को तो डूबने से बचा लिया, लेकिन दूसरा युवक गहरे पानी में चला गया। सूचना पहुंची पुलिस गोताखोरों की मदद से गंगा में युवक की तलाश में जुट गई। कोइरौना थाना क्षेत्र के दरवासी गांव निवासी बृजलाल गुप्ता के दो पुत्र अजय और संजय गड़ेरिया की बारी गांव में अपने बहन के यहां आए थे। उनके साथ मठहा गांव निवासी उनके मौसी का लड़का चंदन गुप्ता भी था। गुरुवार की दोपहर अजय, संजय अपने मौसी के लड़के चंदन और जीजा पिंटू गुप्ता के साथ सीतामढ़ी घाट पर स्नान करने पहुंचे। चारों गंगा में स्नान कर रहे थे। इसी बीच नहाते समय अजय गुप्ता (21) और पिंटू गुप्ता (25) अचानक गहरे पानी मे चले गए और डूबने लगे। दोनों को गंगा में डूबता देख घाट पर मौजूद स्थानीय कलेक्टर मांझी ने गंगा में छलांग लगा दी। डूब रहे पिंटू गुप्ता को बचा लिया, लेकिन अजय गुप्ता गंगा के गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया। सूचना मिलते ही सीतामढ़ी पुलिस चौकी इंचार्ज श्रीप्रकाश मिश्रा अपने सहयोगियों के साथ गंगा घाट पर पहुंचकर डूबे युवक को खोजने के लिए स्थानीय गोताखोरों को लगा दिया है। सूचना पर तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह, कानूनगो कौशलेश श्रीवास्तव, लेखपाल दिवाकर यादव, ग्राम सचिव संजय सिंह, प्रधान प्रतिनिधि धर्मेन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान दरवांसी शिवशंकर आदि घटनास्थल पर पहुंचे और डूबे युवक की तलाश की जा रही है।

नाबालिग से अप्राकृतिक दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

भदोही, संवाददाता। विशेष अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) मधु डोंगरा की अदालत ने नाबालिग से अप्राकृतिक दुष्कर्म के दोषी को 20 साल कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने दोषी पर एक लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न अदा करने पर दोषी को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता अश्वनी मिश्रा ने बताया कि नाबालिग पीड़ित के पिता ने 30 नवंबर 2023 को ऊंज थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। तहरीर में पीड़ित के पिता ने बताया था कि 12 वर्षीय बेटा घर के बगल में नहर में मछली पकड़ रहा था। इस बीच गोधना निवासी गोलू शाह बेटे को बहला–फुसलाकर नगर के किनारे में झाड़ियों में ले गया और उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। नाबालिग को धमकी दी थी कि किसी को बताओगे तो जान से मार देंगे।

एम्स थानेदार ने कोर्ट में कर दी जज पर टिप्पणी, कारण बताओ नोटिस– अब देना होगा स्पष्टीकरण

गोरखपुर, संवाददाता। एम्स के थाना प्रभारी ने बुधवार को एक मामले में कोर्ट में सुनवाई के दौरान मजिस्ट्रेट पर व्यक्तिगत टिप्पणी कर दी। इसके बाद अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम (प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) अरुण यादव ने एम्स थाने के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उनसे तीन दिन में स्पष्टीकरण देने को कहा है। साथ ही पूछा है कि क्यों न उनके विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही चलाने के लिए हाईकोर्ट को संदर्भित कर दिया जाए। वहीं, रिमांड की अगली सुनवाई अब एसीजीएम द्वितीय में होगी। सूचना पाकर भारी संख्या में अधिवक्ता जुट गए और एसओ का विरोध करने लगे। मौके की नजाकत देख एसओ वहां से चले गए। थाना एम्स में पंजीकृत केस अपराध संख्या 193 सन 2023 धारा 447 व 506 भारतीय दंड संहिता में जेल में पहले से निरुद्ध कमलेश यादव और दीनानाथ प्रजापति का 14 दिन का रिमांड प्राप्त करने के लिए विवेचक रमेश चंद्र कुशवाहा ने प्रार्थना पत्र दिया था। रिमांड पर सुनवाई के लिए प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह व अभियोजन अधिकारी उपस्थित थे। दोनों अभियुक्त जेल से तलब थे। अभियुक्त के अधिवक्ता की ओर से रिमांड का विरोध किया जा रहा था। कोर्ट ने विवेचक रमेश चंद्र कुशवाहा से पूछा कि किस प्रकार धारा 447 गठित हो रहा है और ध ारा 506 के अपराध के किए जाने की तिथि समय और स्थान क्या है? इसी बात पर प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने कहा कि अभियुक्त इसी न्यायालय में सुनवाई चाहता है। आपको सुनवाई नही करनी चाहिए। कोर्ट ने उन्हें शांत रहने के लिए कहा तो वह और व्यक्तिगत टिप्पणी करने लगे।

स्मार्ट सिटी में 40 कंटेनरों से नहीं उठ रहा कूड़ा

वाराणसी, संवाददाता। गर्मी बढ़ने के साथ ही शहर में सफाई व्यवस्था बिगड़ने लगी है। शहर में 40 कंटेनरों में कूड़ा पड़ा है, जिसे नहीं उठाने से बदबू से सांस लेने मुश्किल हो रहा है। सिगरा से महमूरगंज मार्ग, लहरतारा मार्ग, मड़ौली चौराहे के पास लोगों को दिक्कत हो रही है। बदबू से लोग परेशान हैं। जब कोई वीआईपी आता है तभी सड़कों को चमकाया जाता है, बाकी दिनों में कूड़ा कंटेनर में पड़ा रहता है। समय से कूड़ा उठाया जाए तो दिक्कत न रहे। सिगरा–महमूरगंज और हुकुलगंज मार्ग पर कंटेनरों में दो दिन से कूड़ा नहीं उठा है। कंटेनर से बाहर कूड़ा गिर रहा है। सफाई कर्मचारी कूड़ा उठाकर कंटेनर में भर देते हैं और समय से न उठने के कारण उसी कंटेनर से मवेशी कूड़े को निकालकर फैला देते हैं। क्षेत्र में बदबू और बीमारी का खतरा बढ़ गया है। निगम के अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

कूड़ा हटवाने का निर्णय सर्वे तक सीमित

शहर के मुख्य मार्गों से कूड़े के कंटेनर हटवाने को लेकर सर्वे किया गया। कहा गया कि सौ प्रतिशत डोर टू डोर कूड़ा उठाने के बाद कंटेनर को हटवा दिया जाएगा।

सार्वजनिक स्थान पर छोटे कंटेनर रखे जाएंगे। ताकि पर्यटकों, तीर्थ यात्रियों और अन्य लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

बोले अधिकारी

शहर में नियमित सफाई हो रही है। दिन में दो बार सुबह–शाम वाहनों से कूड़ा भी उठाया जा रहा है। फिर भी कहीं समस्या है तो समाधान कराया जाए।

हवाला नहीं, पत्नी के गहने बेच और व्यापारियों से उधार लिए थे 50 लाख- अभी भी फंसा है पेंच

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर में चेकिंग के दौरान व्यापारी से 50 लाख रुपये छीनने के मामले में आयकर जांच भी तेज हो गई है। व्यापारी नवीन श्रीवास्तव ने बीते 26 अप्रैल को आयकर विभाग में प्रस्तुत होकर बताया है कि ये रुपये हवाला के नहीं, बल्कि उनके ही थे। यह रकम उन्हहोंने पत्नी के गहने बेचकर और व्यापारियों से उधार लेकर जुटाई थी। रकम पत्नी के इलाज के लिए जुटाई गई थी। अब आयकर विभाग इस बयान के प्रमाणों की सत्यता जांचेगा, तभी यह तय होगा कि रकम जब्त की जाएगी या छोड़ दी जाएगी। इस मामले में आरोपी दरोगा आलोक सिंह जेल में हैं। उसके तीन साथी फरार हैं। वादी नवीन श्रीवास्तव केस दर्ज कराने के बाद अचानक से लापता हो गए थे। बीते तीन अप्रैल को घटना के बाद से ही रकम को लेकर कई तरह की चर्चा हो रही थी। पुलिस ने दरोगा और साथी प्रिंस को जेल भिजवाने के बाद अन्य साथियों की तलाश शुरू कर दी थी। इस बीच रकम को हवाला का बताया जाने लगा। ऐसे में आयकर विभाग भी सक्रिय हो गया। वादी के घर पर जाकर शमन चस्पा करने के साथ उनसे संपर्क का प्रयास किया जा रहा था।

रकम अपनी बताई, लेकिन उलझनें बरकरार

आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि नवीन श्रीवास्तव ने इन रुपयों को अपना तो बता दिया, लेकिन उलझा भी दिया। जैसे, खुद के व्यापार के कितने रुपये थे, कितने उधार लिए, पत्नी के गहने कहां बेचे, इसका सीधा जवाब नहीं दिया। सूत्रों ने बताया कि आभूषण बेचने वाले बात पर पलटते हुए बताया कि पत्नी ने इन्हें बेचा था। ऐसे में दुकानदार कौन था, इसकी जानकारी नहीं है।आयकर विभाग, वादी और दरोगा के बयान की मिलान कर जांच को आगे बढ़ा सकता है।

शिक्षा अधिकारी की पत्नी का फंदे से लटकता मिला शव, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज, संवाददाता। शहर के मुट्ठीगंज इलाके में उप खंड शिक्षा अधिकारी की पत्नी का शव कमरे में फंदे से लटकता मिला। सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा न खुलने पर परिजन परेशान हो गए। कमरे में झांककर देखा गया तो शव फंदे से लटक रहा था। सूचना पाकर पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गई। शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चा है। मुट्ठीगंज में कल्लू कचौड़ी चौराहे के पास रहने वाले अमरदीप जायसवाल भदोही जिले में बतौर उपखंड शिक्षा अधिकारी के पद पर तैनात हैं। उनका परिवार मुट्ठीगंज में ही रहता है। परिवार में उनकी पत्नी आंचल, दो बच्चे और माता–पिता हैं। उनकी पत्नी आंचल जायसवाल (43) का शव गुरुवार को सुबह कमरे में फंदे से लटकता मिला। घटना की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम सा मच गया। पुलिस ने पहुंचकर कमरे का दरवाजा किसी

तरह खोलकर शव को नीचे उतरवाया। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। सास–ससुर से हुई थी कहासुनी

बताया जा रहा है कि आंचल जायसवाल का उनके सास–ससुर से एक दिन पहले कहासुनी हुई थी। घटना को इससे जोड़कर भी देखा जा रहा है। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की जानकारी पाकर अमरदीप जायसवाल भी घर पहुंच गए। परिजन घटना को लेकर कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं है।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी घायल

आजमगढ़, संवाददाता। आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी शातिर अपराधी को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया। देवगांव कोतवाली के आईटीआई कालेज लफिया के पास मुठभेड़ हुई। पुलिस ने घायल बदमाश के पास से तमंचा–कारतूस व बाइक बरामद किया है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देवगांव कोतवाली पर 26 अप्रैल को एक महिला ने तहरीर दिया था कि रणमो गांव निवासी विकास यादव ने उसकी पुत्री के साथ छेड़खानी की थी। इस बाबत उसने गंभीरपुर थाने पर मुकदमा भी पंजीकृत कराया। उक्त मुकदमें में सुलह–समझौते के लिए अभियुक्त विकास यादव ने 22 अप्रैल को उसे जान से मारने की ध मकी दिया। इतना ही नहीं जान से मारने की नियत से उस पर फायरिंग भी कर दी थी। देवगांव कोतवाली पुलिस ने मुकदमा पंजीकृ त कर लिया था। बुधवार को पुसिल को सूचना मिली कि 25 हजार का इनामी विकास यादव आईटीआई कालेज लफिया के पास मौजूद है। इस सूचना पर पुलिस टीम गायत्री मोड़ पर पहुंच गई और अभियुक्त के आने का इंतजार करने लगे। कुछ ही देर में एक बाइक सवार युवक काफी तेजी से पल्हना बाजार की तरफ जाता दिखा। जिस पर पुलिस टीम ने उसकी घेराबंदी शुरू कर दी। दोनों तरफ से घिर जाने पर विकास ने एक सुनसान रास्ते पर मुड़ने का प्रयास किया, तभी बाइक लेकर गिर गया। इसके बाद वह पैदल ही भागने लगा। पुलिस टीम जैसे ही उसके पास पहुंची, उसने तमंचा से फायर झोंक दिया। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिससे बदमाश के बाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस ने तत्काल सीएचसी लालगंज इलाज के लिए भेजा। उसके पास से पुलिस ने रिवॉल्वर व कारतूस के साथ ही बाइक बरामद किया। पुलिस के अनुसार, घायल बदमाश थाने का हिस्ट्रीशीटर अपराधी होने के साथ ही 25 हजार का इनामी था। उस पर विभिन्न थानों में दर्जन भर से अधिक मुकदमें दर्ज हैं।

महाकुंभ के पहले ध्वस्त नहीं होगा हाईकोर्ट पानी टंकी का जर्जर आरओबी

प्रयागराज, संवाददाता। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता और विभागाध्यक्ष विनोद कुमार श्रीवास्तव ने गुरुवार को हाईकोर्ट पानी की टंकी के पास लीडर रोड पर बने रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) का निरीक्षण किया। जर्जर हो चुके इस पर पुलिस पीडब्लूडी ने 12 फरवरी 2024 से आवागमन बंद करवा दिया है। गार्डर लगाकर बड़े वाहनों को रोक दिया गया है। इस जर्जर पुल पर सिर्फ बाइक और साइकिल के अलावा पैदल चलने वालों को छूट दी गई है। करीब पचास साल पुराना यह रेलवे ओवरब्रिज काफी हद तक जर्जर हो चुका है। इसको देखते हुए कुंभ 2019 के मद्देनजर इसके बराबर एक दूसरा पुल बनाया गया था। इसके बाद एक पुल जाने के लिए और दूसरा पुल आने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। पुराने पुल की हालत को जर्जर देखते हुए और जान माल का नुकसान न हो इसके लिए इस पर बड़े वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया है।

प्रमुख अभियंता बोले– जनहानि रोकना पहली प्राथमिकता

दर्जन भर से अधिक अधिकारियों के साथ पहुंचे प्रमुख अभियांता एवं विभागाध्यक्ष वीके श्रीवास्तव ने करीब घंटे भर निरीक्षण कर पुल का जायजा लिया। इस दौरान अमर उजाला से बातचीत करते हुए प्रमुख अभियंता ने कहा कि विभाग की पहली प्राथमिकता लोगों के जान की सुरक्षा है। पुल से किसी तरह के जान माल का नुकसान न हो इसके लिए फिलहाल बड़े वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि रही बात आरओबी को ध्वस्त करने की तो इसे महाकुंभ के पहले गिराने की कोई योजना नहीं है। विभाग अब पुल की मरम्मत की संभावना तलाश कर रहा है। इसके लिए निरीक्षण किया जा रहा है। इसके बाद प्लान तैयार कर इसको मरम्मत कराने पर विचार किया जाएगा। फिलहाल आरओबी बहुत पुराना है और काफी हद तक जर्जर भी हो चुका है। किस तरह से इसे बिना ध्वस्त किए मजबूती प्रदान की जाए इस पर अमल किया जा रहा है।

महिला महाविद्यालय में एक हजार छात्राओं के लिए बनेगा नया हॉस्टल

वाराणसी, संवाददाता। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में 1200 छात्राओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल बन रहा है। महिला महाविद्यालय के प्रस्तावित इस हॉस्टल में 1000 से अधिक छात्राओं के रहने की व्यवस्था होगी। इसमें बड़े कमरों, सोशल स्पेस, भोजन कक्ष, रीडिंग हॉल, चिकित्सा कक्ष, के साथ छात्राओं के माता–पिता के लिए रुकने की व्यवस्था भी होगी। बीएचयू में नई सुविधाओं के विकास और की ढांचागत व्यवस्थाओं के सुदृढ़ी करण के लिए निर्माणाधीन परियोजनाओं की कुलपति प्रो.सुध ीर कुमार जैन ने समीक्षा की। उन्होंने परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सीमा के अंदर उन्हें पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।